

राहुल गांधी के कार्यक्रम में 15,000 महिलाओं ने भाग लिया महिलाएं सत्ता में बैठे लोगों से सवाल नहीं कर सकतीं तो उन्हें किस प्रकार का सम्मान मिलेगा

पूनम/एजेंसी, नई दिल्ली/पुणे। शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार के उन मुद्दों पर सवाल उठाने के लिए वर्षों तक अपमान सहा है, जिन्हें सरकार पसंद नहीं करती। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि वह सुधरने वाले नहीं हैं।

यह टिप्पणी उन्होंने पार्टी के यूथ आउटरीच कार्यक्रम छात्रों की गुंज के दौरान भोजपुरी गायिका नेहा राठौर के साथ बातचीत करते हुए की, जोकि अपने व्यंग्यात्मक गीतों के लिए जानी जाती हैं।

नेहा राठौर ने महिलाओं से हो रहे अनादर के बारे में कहा कि अगर महिलाएं सत्ता में बैठे लोगों से सवाल नहीं कर

सकतीं तो उन्हें किस प्रकार का सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैं सरकार से उन सभी मुद्दों पर सवाल करती हूँ जो सरकार को पसंद नहीं हैं। इसके बदले, मुझे बहुत सारी गालियां और एफआइआर मिलती हैं। उन्होंने पूछा- अगर हम लोकतंत्र में अपने प्रधानमंत्री से सवाल नहीं कर सकते तो यह कैसा सम्मान है?

एक घटना का जिक्र करते हुए राठौर ने कहा कि जब उन्होंने उत्तर प्रदेश में एक व्यंग्यात्मक गीत गाया था तो पुलिस की टीमों उनके पीछे भेजी गई और क्षेत्र के लोगों ने उनके परिवार से पूछा कि वह किस प्रकार की महिला हैं। एक महिला के रूप में, अगर आप समाज में कुछ मुद्दों पर

बोलना चाहती हैं तो यह बहुत कठिन है। पुरुषों की ट्रोलींग होती है, लेकिन महिलाओं की ट्रोलींग बहुत अलग तरीके से होती है। वे बस उसके चरित्र की हत्या कर देते हैं।

वह थोड़ी साहसी और जिद्दी हैं और आलोचना से नहीं डरतीं। वे पिछले पांच वर्षों से मुझे गालियां दे रहे हैं, लेकिन फिर भी मैं नहीं सुधरी। इस पर राहुल गांधी ने राठौर के शब्दों को दोहराते हुए कहा, मैं भी वर्षों से गालियां सुन रहा हूँ, लेकिन मैं भी नहीं सुधर रहा हूँ। राठौर ने कहा कि मैं उन्हें बताना चाहती हूँ कि मैं सुधरने वाली नहीं हूँ। कार्यक्रम में लगभग 15,000 महिलाओं ने भाग लिया।

सुखोई-30 देश के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ बना हुआ

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना में अपने पहले सुखोई फाइटर जेट्स को शामिल हुए लगभग तीन दशक हो चुके हैं, फिर भी सुखोई-30 देश के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ बना हुआ है। वायु सेना भले ही अपने राफेल बेड़े का विस्तार कर रही है। सुखोई की भूमिका आज भी ऐसी है जिसे कोई अन्य विमान आसानी से नहीं निभा सकता।

भारतीय वायु सेना को केवल तकनीकी रूप से एडवांस्ड फाइटर जेट्स के संग्रह की जरूरत नहीं है, बल्कि एक ऐसे संतुलित बेड़े की आवश्यकता है जिसमें संख्या, रेंज, पेलोड, लड़ाई में टिके रहने की क्षमता और लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता का सही तालमेल हो।

भारत ने 30 नवंबर 1996 को रूस के साथ 50 सुखोई-30 विमान खरीदने का समझौता किया था। 11 जून 1997 को पुणे के लोहेगांव एयर फोर्स स्टेशन पर पहले आठ सुखोई-30 फाइटर विमानों को हॉक्स में शामिल किया गया था।

भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष की अध्यक्षता में अहम बैठक

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। भारत में अगले साल यानी 2027 में कुल सात राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसके लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में पार्टी मुख्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पार्टी के नए पदाधिकारियों, राज्यों के पार्टी अध्यक्षों और राज्य प्रभारियों ने हिस्सा लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य साल 2027 में होने वाले

केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बने

भारत के किसी भी जनपद, तहसील या थाना क्षेत्र में केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बनने के लिए संपर्क करें। आप केशरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट से भी के माध्यम से भी पत्रकार बन सकते हैं। समाचार पत्र की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करें लॉगिन करें आप स्वयं केसरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट पर समाचार फोटो आदि भी अपलोड कर सकते हैं। सोनीपत जनपद में श्रीमती अंजू देवी पति श्री कृष्ण पाल, सोनीपत मो. 9416957607

निवेदक-सुभाष चंद, संपादक, केशरी दर्पण (हिंदी साप्ताहिक) 9837749557

www.kesharidarpan.com

साल 2000 में हुए समझौते के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने भारत में ही इसका निर्माण शुरू किया, जिससे यह भारत के सबसे ज्यादा इस्तेमाल और समर्थित प्लेटफॉर्म में से एक बन गया। वर्तमान में वायु सेना के पास लगभग 260 सुखोई-30 विमान हैं।

सुखोई-30 एक बड़ा ट्विन-इंजन फाइटर है, जिसे एयर डोमिनेंस और

मल्टीरोल ऑपरेशन के लिए डिजाइन किया गया है।

इसका सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस और अस्त्र हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइलों के साथ इंटीग्रेशन है, जो इसे लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की भारी क्षमता देता है। एयर डिफेंस और इंटरसेप्शन जैसे कामों के साथ स्वदेशी इकोसिस्टम को मजबूत करता है।

बैठक में पार्टी के नए पदाधिकारियों, राज्यों के पार्टी अध्यक्षों और राज्य प्रभारियों ने हिस्सा लिया।

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पार्टी की रणनीति तैयार करना था। बता दें कि अगले साल उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और हिमाचल प्रदेश सहित कुल सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं।

जानकारी के अनुसार बैठक में विशेष रूप से युवाओं तक अपनी पहुंच मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पार्टी के

जनसंपर्क को और अधिक गहरा करने पर जोर दिया गया। पार्टी नेताओं ने आगामी चुनावों की तैयारियों और संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

गौरतलब है कि इससे पहले शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भाजपा मुख्यालय का दौरा किया था और सभी 67 नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ पांच घंटे से अधिक समय तक लंबी बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने सभी पदाधिकारियों के विचार सुने और उन्हें जनता के बीच अपनी पैठ और युवा जुड़ाव बढ़ाने के बहुमूल्य सुझाव दिए।

प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल 17 वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों के दायित्वों में बदलाव

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। रविवार देर रात प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 17 वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों के दायित्वों में बदलाव किया है। अलीगढ़ और मुरादाबाद के मंडलायुक्त भी बदले गए हैं। अलीगढ़ की मंडलायुक्त संगीता सिंह को मुरादाबाद का मंडलायुक्त बनाया गया है, जबकि राजस्व परिषद, प्रयागराज में सदस्य (न्यायिक) ओम प्रकाश आर्य को मंडलायुक्त अलीगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है। ग्राम्य विकास विभाग में भी बदलाव किया गया है।

नगर विकास विभाग के सचिव और उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के प्रबंध निदेशक तथा अमृत के राज्य मिशन निदेशक, रवीन्द्र कुमार को इन दोनों पदों

से अवमुक्त कर दिया गया है। उग्र सुनी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी मासूम अली सरवर को उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के प्रबंध निदेशक और राज्य मिशन निदेशक, अमृत का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

आयुक्त, ग्राम्य विकास एवं सचिव, ग्राम्य विकास विभाग गौरी शंकर प्रियदर्शी को महानिदेशक, आयुष एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय आयुष मिशन उत्तर प्रदेश बनाया गया है। वहीं महानिदेशक, आयुष एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय आयुष मिशन चैत्रा वी. को राजस्व परिषद, लखनऊ में सदस्य (प्रशासनिक) बनाया गया है। समाज कल्याण विभाग के सचिव प्रमोद कुमार उपाध्याय को आयुक्त, ग्राम्य विकास की जिम्मेदारी दी गई है।

असामान्य देरी को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला

संवैधानिक प्रक्रिया के तहत राष्ट्रपति, सरकार की सिफारिश पर ही संसद का सत्र बुलाते हैं और उसका सत्रावसान करते हैं। 20 जुलाई से शुरू हुआ मानसून सत्र हंगामे के कारण काफी हद तक प्रभावित रहा था और तय समय के अनुसार 13 अगस्त को स्थगित कर दिया गया था।

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र को औपचारिक रूप से खत्म करने में हो रही असामान्य देरी को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि आमतौर पर संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान का नोटिफिकेशन जारी होने के बीच महज दो से चार दिन का अंतर होता है। 13 अगस्त को मानसून सत्र स्थगित होने के कई दिन बीत जाने के बाद भी इसे आधिकारिक रूप से समाप्त नहीं किया गया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एक पोस्ट के जरिए इस देरी पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आशंका जताई कि क्या यह देरी किसी खास राजनीतिक मकसद से की जा रही है। रमेश ने सवाल किया कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए विशेष

सत्र बुलाने की योजना बना रहे हैं और इसके लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाने में लगे हैं? सरकार की तरफ से किसी भी तरह का विशेष सत्र बुलाने की योजना से साफ इनकार किया गया है।

जयराम रमेश ने स्वीकार किया कि अतीत में भी सत्रावसान में देरी के उदाहरण रहे हैं। 2015 में मानसून सत्र स्थगित होने के 28 दिन बाद और 2021 में 20 दिन बाद सत्रावसान हुआ था। लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उस समय पृष्ठभूमि में कोई राजनीतिक जोड़-तोड़ या रणनीतिक चालें नहीं चल रही थीं। यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में महाबलीपुरम में हुई दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में परिसीमन का मुद्दा छाया रहा। इस बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने परिसीमन और महिला आरक्षण को लेकर अपनी बात रखी थी।

केंद्र से लिखित आश्वासन मांगा कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की लोकसभा सीटों का प्रतिशत कम न किया जाए। वहीं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मांग की कि अगले 25 वर्षों तक देश में लोकसभा सीटों की मौजूदा संख्या 543 ही बनाए रखी जाए। संवैधानिक प्रक्रिया के तहत राष्ट्रपति, सरकार की सिफारिश पर ही संसद का सत्र बुलाते हैं और उसका सत्रावसान करते हैं। 20 जुलाई से शुरू हुआ मानसून सत्र हंगामे के कारण काफी हद तक प्रभावित रहा था और तय समय के अनुसार 13 अगस्त को स्थगित कर दिया गया था।

परम पूजनीय बाबा दीवाना कश्यप स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को जयंती पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी



नितिन कुमार सिंह, बागपत/बिजौर। क्रान्तिकारी धरा बागपत की धरती पर 1857 में कश्यप समाज के महापुरुष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परम पूजनीय बाबा दीवाना कश्यप ने देश की आजादी में अपने प्राणों की आहुति देकर सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसे महान महापुरुष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को उनकी जयंती पर कश्यप समाज के साथ अन्य समाज के लोगो ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

सर्वजन लोकशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमपाल कश्यप ने कहा कि सबसे पहले मैं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परम पूजनीय बाबा दीवाना कश्यप को हृदय की गहराइयों से नमन करता हु श्रद्धांजलि देता



हूँ। जिनके सर्वोच्च बलिदान के कारण आज हम सब आजादी से सांस ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बिजौर गांव के एक पेड़ पर 32 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एक साथ अंग्रेजों ने फांसी पर लटका दिया था। उन्होंने कहा कि सर्वजन लोक शक्ति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर कश्यप को बागपत लोकसभा से 2029 में सर्वजन लोकशक्ति पार्टी को चुनाव लड़ा और जीताकर लोकसभा भेजा जायेगा। मैं ओमपाल कश्यप बागपत जिले की धरती को नमन करते हुए संकल्प लेता हूँ कि उनके रुके हुए कारवां को पूरा करने का काम करूंगा समाज का नाम रोशन करके अपने देश प्रदेश और क्षेत्र का नाम उज्ज्वल करूंगा।

सर्वजन लोकशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह कश्यप ने कहा कि देश पर मर मिटने का जज्बा कश्यप समाज के लोगो में हमेशा रहा है। लेकिन इतिहास करो ने हमारे कश्यप समाज का इतिहास या तो लिखा नहीं या मिटा दिया। सभी देशवासियों को उनकी जयंती पर बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। गांव बिजौर में हजारों की तादाद में लोगो ने उनकी जन्मतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनके अधूरे कार्यों को सत्ता में आने पर हम पूरा करेंगे और यहां पर विधायक और एमपी की राजनीति में भागीदारी कर सत्ता में पहुंचकर समाज का कल्याण करेंगे।

टीवी पर विज्ञापन की प्रति घंटे 12 मिनट के समय-सीमा हटी

टीवी प्रसारण क्षेत्र में हुए परिवर्तनों को देखते हुए विज्ञापन अवधि से संबंधित प्रविधानों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता महसूस की गई। पारंपरिक टीवी चैनलों और डिजिटल मीडिया के बीच विज्ञापन सीमा नियमन पर एकरूपता के साथ निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और कारोबारी सुगमता सुनिश्चित करने के लिए विज्ञापन अवधि की सीमा को हटाने का निर्णय लिया गया है।

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। टीवी पर प्रति घंटे 12 मिनट के विज्ञापन की समय-सीमा हटा दी गई है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने टेलीविजन चैनलों के लिए 12 मिनट प्रति घंटे विज्ञापन अवधि की सीमा को हटाने के लिए केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 2026 की अधिसूचना 21 अगस्त को जारी कर दी। मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है, केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के नियम सात में उप-नियम (11) को

हटाया जा रहा है, जिसके तहत टेलीविजन पर प्रति घंटे 12 मिनट से अधिक विज्ञापन नहीं दिखाया जा सकता था। विज्ञापन अवधि की यह सीमा 2006 में लागू की गई थी।

मंत्रालय ने बताया कि टेलीविजन प्रसारण क्षेत्र में काफी बदलाव आया है। 2006 में केवल 62 टीवी चैनल थे, जबकि आज 900 से अधिक चैनल हैं। उस समय, टीवी चैनल दिखाने का मुख्य जरिया केबल टीवी था और उसकी क्षमता सीमित थी, जिससे ग्राहकों के पास बहुत कम विकल्प होते थे। केबल टीवी क्षेत्र के पूर्ण डिजिटलीकरण के बाद, सभी टीवी डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफार्म, जिसमें डीटीएच, केबल टीवी शामिल हैं डिजिटल हो गए हैं। ये प्लेटफार्म 300 से 500 चैनलों का प्रसारण करते हैं।

टीवी प्रसारण क्षेत्र में हुए परिवर्तनों को देखते हुए विज्ञापन अवधि से संबंधित प्रविधानों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता महसूस की गई। पारंपरिक टीवी चैनलों और डिजिटल मीडिया के बीच विज्ञापन सीमा नियमन पर एकरूपता के साथ निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और कारोबारी सुगमता सुनिश्चित करने के लिए विज्ञापन अवधि की सीमा को हटाने का निर्णय लिया गया है।

कोशिश करो

तैयार रहो

सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष
वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध
प्रधान कार्यालय: निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101
Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 7906984078



संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें।
स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।
(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

मेरठ में मानव रहित विमान व ड्रोन रन-वे का निर्माण

पूजा रानी, मेरठ। सीमा सड़क संगठन द्वारा सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए मेरठ में देश के पहले मानव रहित विमान व ड्रोन रन-वे का निर्माण किया जाएगा। प्रोजेक्ट शिवालिक के तहत अब मुख्य अभियंता बीआरओ देहरादून के बजाए बीआरओ के अतिरिक्त महानिदेशक (उत्तर-पश्चिम) चंडीगढ़ कार्यालय स्तर से 371.15 करोड़ का टेंडर जारी हुआ है। 25 सितंबर तक टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। 26 सितंबर को टेंडर खोला जाएगा। सात महीने में चयनित कार्यदायी एजेंसी को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करनी होगी। डीपीआर मंजूर होने के बाद 18 माह में निर्माण कार्य पूर्ण होगा। 24 महीने डिफेक्ट लायबिलिटी और बाकी के 36 महीने रखरखाव और निगरानी के लिए निर्धारित किए गए हैं।

इस रन-वे के लिए किला रोड

रन-वे के लिए किला रोड पैरामिलिट्री फार्म की 900 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। फिलहाल इस जमीन पर प्रशिक्षण होता है।

पैरामिलिट्री फार्म की 900 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। फिलहाल इस जमीन पर प्रशिक्षण होता है। मेरठ छावनी में मिलिट्री फार्म की स्थापना वर्ष 1908 में हुई थी। 20 जुलाई 2017 को मिलिट्री फार्म बंद हो गया। मेरठ छावनी में मिलिट्री फार्म मवाना रोड से किला रोड तक फैला है। बीआरओ के अतिरिक्त महानिदेशक (उत्तर-पश्चिम) चंडीगढ़ कार्यालय स्तर से जारी टेंडर के अनुसार इस जमीन पर

2,110 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रन-वे बनाया जाएगा। यह रनवे केवल ड्रोन आपरेशन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सी-295 और सी-130 जैसे मध्यम श्रेणी के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को भी संभालने में सक्षम होगा। बेस पर विमानों और ड्रोन को रखने के लिए 60 मीटर चौड़े और 50 मीटर लंबे 2 हैंगर भी बनाए जाएंगे।

टेंडर डालने की अंतिम तिथि 25 सितंबर टेंडर की शर्तों के अनुसार इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडर डालने की अंतिम तिथि 25 सितंबर है। 26 सितंबर को बीआरओ के अतिरिक्त महानिदेशक (उत्तर-पश्चिम) चंडीगढ़ कार्यालय में टेंडर खोला जाएगा। इस टेंडर के लिए संबंधित एजेंसी के पास एयरफील्ड या डिफेंस से जुड़े कामों का अनुभव हो और जो सेना की देखरेख में प्रोग्राम चलाने की क्षमता रखती हों।

किसान नेता दिग्विजय भाटी से मारपीट के आरोपों से घिरे इंस्पेक्टर सिविल लाइंस व एसओजी प्रभारी दिग्विजय भाटी ने अपनी वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित की। दावा किया कि उसके बाद ही गुरुवार रात एसएसपी अविनाश पांडेय का तबादला हुआ।

पूजा रानी, मेरठ। किसान नेता दिग्विजय भाटी से मारपीट के आरोपों से घिरे इंस्पेक्टर सिविल लाइंस व एसओजी प्रभारी अखिलेश गौड़ को एसएसपी ने निलंबित कर दिया है। माना जा रहा है कि डीआईजी सहारनपुर की जांच रिपोर्ट व शनिवार को देररात तक इस मामले में हुए बयान के बाद यह फैसला लिया गया है। फिलहाल दिग्विजय भाटी अस्पताल में भर्ती हैं। उनका उपचार चल रहा है।

विधायक अतुल प्रधान समेत अन्य

भाकियू नेता एसएसपी, मारपीट में शामिल अन्य आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें निलंबित करने की मांग कर रहे थे। एसएसपी आफिस की ओर से जारी प्रेसनोट में इंस्पेक्टर अखिलेश गौड़ को कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता तथा स्वेच्छाचरिता बरतने के आरोप में निलंबित करने की बात कही गई है।

बता दें कि किसान नेता दिग्विजय भाटी और उनके साथी मोहित जाटव ने एसएसपी अविनाश पांडेय और सिविल लाइंस थाने के प्रभारी अखिलेश गौड़ पर एसएसपी और एसओजी कार्यालय में पिटाई करने का आरोप लगाया था। दिग्विजय भाटी ने अपनी वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित की। दावा किया कि उसके बाद ही गुरुवार रात एसएसपी अविनाश पांडेय का तबादला हुआ।

भाजपा ने गरीबों को हमेशा धोखा दिया, गरीबों के आरक्षण में दबंगों को शामिल कर गरीबों का पिछले 26 वर्षों से मार दिया, आओ बागपत लोकसभा को भाजपा मुक्त करे

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा

निवेदक-

सुभाष चंद कश्यप

पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा
2014 निर्दलीय, 7906984078

पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी वार्ड नंबर
11 जनपद बागपत-2015

राष्ट्रीय महासचिव श्रीराम बाजपेई स्काउट
गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया

पता- कस्बा खेकड़ा जनपद बागपत उत्तर
प्रदेश -250101



सम्पादकीय.....

चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया

देश में चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि एथनॉल की बढ़ती मांग के कारण चीनी उत्पादन प्रभावित हुआ और इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ा। चीनी उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ इस तर्क को नहीं मानते। उनका कहना है कि चीनी की मौजूदा कीमतों के पीछे गन्ने की खेती का घटता रकबा, कम उत्पादन, छोटा होता पेराई सत्र, चीनी की जमाखोरी और निर्यात जैसे कई कारण हैं। एक सुपरमार्केट संचालक के अनुसार, कई जगह खुदरा बाजार में चीनी 75-80 रुपये किलो तक पहुंच गई है। सवाल उठ रहा है कि क्या एथनॉल ही इसकी सबसे बड़ी वजह है। महाराष्ट्र के पूर्व गन्ना आयुक्त शेखर गायकवाड़ ने कहा कि गन्ने का रकबा और उत्पादन दोनों लगातार घट रहे हैं।

गन्ने की खेती का रकबा देश में 2022-23 में करीब 59 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में घटकर करीब 54.5 लाख हेक्टेयर रह गया। यानी दो साल में करीब 4.5 लाख हेक्टेयर की कमी आई। इसी अवधि में गन्ने का कुल उत्पादन भी करीब 49 करोड़ टन से घटकर करीब 45.3 करोड़ टन रह गया। गायकवाड़ के अनुसार, गन्ने और चीनी उत्पादन को बढ़ाने के लिए बनाई गई किसी नई नीति का असर तुरंत नहीं दिखेगा। इसके लिए कम से कम तीन साल लग सकते हैं। सरकार को चीनी के उत्पादन और उपलब्ध स्टॉक पर लगातार नजर रखनी होगी। कोआपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज की नेशनल फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष कहा कि महाराष्ट्र में भी चीनी मिलों का पेराई सत्र छोटा हो गया है। जिन मिलों में करीब 150 दिन तक पेराई होती थी, यह अवधि करीब 100 दिन रह गई है। उनके मुताबिक, गन्ना किसानों को मिलने वाला उचित एवं लाभकारी मूल्य और चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलों के लिए आर्थिक दबाव पैदा कर रहा है।

मौजूदा एफआरपी करीब 3,600 रुपये प्रति टन है, चीनी का एमएसपी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास है। दोनों की इकाइयां अलग होने के कारण इस अंतर की तुलना सावधानी से करनी चाहिए, लेकिन मिलों की लागत और बिक्री मूल्य के बीच दबाव जरूर है। पश्चिम भारत चीनी मिल संघ के अध्यक्ष भैरवनाथ थोंब्रे ने भी एथनॉल को चीनी की महंगाई का मुख्य कारण मानने से इन्कार किया। 2020 में एथनॉल का बड़ा हिस्सा चीनी के डायवर्जन से बनता था, जबकि अब इसमें अनाज की हिस्सेदारी काफी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि उत्पादन के शुरुआती अनुमान और वास्तविक उत्पादन में बड़ा अंतर भी बाजार पर भारी पड़ा। शुरुआती अनुमान करीब 390 लाख टन चीनी उत्पादन का था, लेकिन उत्पादन करीब 310 लाख टन तक ही रह गया।

आंख फोड़ने में पांच व्यक्तियों को सात व 13 को तीन साल की सजा सुनाई

नितिन कुमार सिंह, बागपत। परिवार पर घर में घुसकर हमला कर एक महिला की आंख फोड़ने के मामले में अदालत ने पड़ोस के पांच व्यक्तियों को सात-सात साल व 13 लोगों को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। 19 वां आरोपित अदालत में पेश नहीं हुआ। अमीनगार सराय कस्बा निवासी सतेंद्र शर्मा ने 26 नवंबर 2022 को सिंघावली अहीर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि शाम करीब चार बजे परिवार वालों के साथ चाय पी रहे थे। घर में रेखा, अभिषेक, हरिओम और राजकुमारी थी।

पड़ोस के ही 19 आरोपित शुभम उर्फ शिवम, नवीन, उसके भाई विपिन, मोनू उर्फ सोहनवीर, रवि, विकी उर्फ विकास, नीरज, राहुल, कल्लू, प्रवीण पुत्र बाबूराम, विकास, उसके तीन भाई नितिन, सूरज, राहुल के अलावा शिवा, अजय, अर्जुन, ललित और प्रवीण पुत्र घनश्याम ने घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला किया। पड़ोस के लोगों ने किसी तरह उनकी जान बचाई। आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भागे। परिवार के कई लोग घायल हुए। महिला रेखा की एक आंख हमले में फूट गई, जिसका ऑपरेशन कराकर पत्थर की आंख लगवाई गई थी। आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई कर अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई थी।

पत्रावली अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/एफटीसी द्वितीय नीलू मैनवाल की अदालत में विचाराधीन थी। वादी

15 अक्टूबर तक चीनी मिलें चलाने के लिए मिल संचालकों को निर्देश

अक्टूबर में चीनी उत्पादन प्रारंभ करने वाली मिलों को अक्टूबर में उत्पादित चीनी की मात्रा को अक्टूबर-नवंबर में बेचने की अनुमति होगी।

नितिन कुमार सिंह, बागपत। आसमान छूते चीनी के दाम को काबू में लाने के लिए सरकार ने प्रयास शुरू कर दिए। कालाबाजारी रोकने के साथ ही अब चीनी मिलों को समय से पहले चालू कराने का प्रयास शुरू हो गया है। गन्ना आयुक्त ने अधिकारियों को 15 अक्टूबर तक चीनी मिलें चलाने के लिए मिल संचालकों को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया। गन्ना आयुक्त मिनस्ती एस ने विभागीय अधिकारियों तथा चीनी मिलों के अध्याशी

समेत 14 गवाहों की गवाही हुई। शुक्रवार को अदालत दोषी मानते हुए विकास, नितिन, विपिन, विकी उर्फ विकास और शुभम उर्फ शिवम को सात-सात साल की सजा सुनाई तथा 22-22 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। इसके अलावा नवीन, मोनू उर्फ सोहनवीर, रवि, नीरज, राहुल, कल्लू, प्रवीण पुत्र बाबूराम, सूरज, राहुल, शिवा, अजय, अर्जुन और ललित को तीन-तीन साल की सजा सुनाई गई

तथा प्रधान प्रबंधकों को भेजे पत्र में चीनी मिलों को गत साल के मुकाबले पंद्रह दिन पहले चलवाने का निर्देश दिया।

अक्टूबर में चीनी उत्पादन प्रारंभ करने वाली मिलों को अक्टूबर में उत्पादित चीनी की मात्रा को अक्टूबर-नवंबर में बेचने की अनुमति होगी। दरअसल यह पूरी कवायद चीनी के आसमान छूते दाम का नीचे लाने की कवायद है। अक्टूबर में उत्पादित की गई चीनी जैसे ही बाजार में आएगी तो दाम नीचे गिरेंगे। बता दें कि बागपत के किसानों से पांच जिलों की 12 चीनी मिलें गन्ना खरीदकर चीनी का उत्पादन करती हैं। चीनी मिलें पहले चलेंगी तो हजारों किसानों को फायदा होगा, क्योंकि समय रहते खेत खाली होंगे और गेहूं की बुआई समय से कर सकेंगे।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।

www.kesharidarpan.com

पर रजिस्टर/लॉगिन करें।



सम्पादक सुभाष चंद

9837749557

देश भर में कांग्रेस की लहर देख बागपत कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए दर्जनों आवेदकों ने की दावेदारी

नितिन कुमार सिंह, बागपत। रविवार को छपरौली कस्बे के चौधरी चरण सिंह फार्म पर आयोजित जनपद बागपत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए छपरौली ब्लॉक की कांग्रेस संगठन सर्जन बैठक हंगामे की भेट चढ़ गयी। देश भर में कांग्रेस की लहर देख जनपद बागपत कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए भी हंगामे हो रहे हैं। आयोजक भीड़ को कंट्रोल नहीं कर पा रहे। अब तक दर्जनों आवेदक बागपत जिलाध्यक्ष कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए अपने आवेदन चयनकर्ताओं को जमा करा चुके हैं।

करीब साढ़े बारह बजे सुभाषनि यादव कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व प्रभारी बागपत कांग्रेस संगठन सर्जन व पर्यवेक्षक राजेश्वर देवदत्त अन्य चयनकर्ताओं के साथ वन टू वन कार्यक्रमों के विचार जान रही थी। इसी बीच राष्ट्रीय सचिव से पहले मिलने को लेकर, एक बार फिर एक पूर्व जिलाध्यक्ष के समर्थक सेवा दल के कार्यकर्ताओं से उलझ गए।

तुरंत, यूथ कांग्रेस प्रदेश महासचिव फैज महमूद, जिलाध्यक्ष लव कश्यप, पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी रामकुमार सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष युनुस चौधरी, बड़ौत शहर अध्यक्ष रामहरि पंवार, पूर्व शहर अध्यक्ष राकेश शर्मा व अन्य जिम्मेदार कांग्रेस



करीब साढ़े बारह बजे सुभाषनि यादव कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व प्रभारी बागपत कांग्रेस संगठन सर्जन व पर्यवेक्षक राजेश्वर देवदत्त अन्य चयनकर्ताओं के साथ वन टू वन कार्यक्रमों के विचार जान रही थी। इसी बीच राष्ट्रीय सचिव से पहले मिलने को लेकर, एक पूर्व जिलाध्यक्ष के समर्थक सेवा दल के कार्यकर्ताओं से उलझ गए।

कार्यकर्ताओं ने बीच बचाव कर हंगामा शांत कराया। प्रभारी सुभाषनि यादव ने अपने एक साथी को सार्वजनिक हाल में भेज, हंगामे की वीडियो बनवा कार्यक्रम

रद्द कर दिल्ली लोट गयी।

ब्रजपाल व अन्य लोगों का कहना है कि एक वर्ष पूर्व जनपद में कांग्रेस निष्क्रिय अवस्था में थी। वर्तमान जिलाध्यक्ष लव कश्यप ने डुंडाहेड से ककड़ीपुर गांव तक लगभग 55 किलोमीटर की बड़ी यात्रा डीजे कार बाइक रैली की, गांव गांव जाकर कांग्रेस पार्टी की बैठक की, डीएम कार्यालय पे धरने प्रदर्शन किये, बागपत कांग्रेस जिला कार्यालय पर मासिक बैठके आदि की लेकिन कभी कुछ दिखाई भी नहीं देते थे। मिलने जाओ तो बात नहीं करना, फोन तक भी नहीं उठाते थे। अब देश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी व सांसद प्रियंका गाँधी आदि की मेहनत व प्रयासों से बढ़ती कांग्रेस पार्टी की देश भर में लोकप्रियता व लहर देख, जिलाध्यक्ष पद के लिए अपने लोगो को लेकर प्रभारी व चयनकर्ताओं के सामने अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रेस वार्ता कर सुभाषनि यादव ने कार्यक्रम में हुए हंगामे को जनपद के लोगो को जिम्मेदार ठहराया। अवसर पर जिलाउपाध्यक्ष दीन मोहमंद, जिला सचिव पवन कश्यप, किसान कांग्रेस गौरव ढाका, प्रिंसिपल इजहार खान, इमरान इदरीशी, इरसाद आदि मौजूद रहे।

कार घर पर खड़ी टोल दूसरे स्थान पर कटने से नंबर प्लेट के गलत इस्तेमाल की आशंका व्यक्त

अंजू देवी, सोनीपत/गोहाना। एक हैरान करने वाला मामला सोनीपत में सामने आया है। शेर सिंह पब्लिक स्कूल के एमडी महेंद्र मलिक की कार गोहाना स्थित उनके घर पर खड़ी थी, जबकि उसी कार का टोल टैक्स यमुनानगर में कट गया। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम को मोबाइल पर टोल कटने का मैसेज आया तो वे हैरान रह गए। उनके साथ ऐसा दूसरी बार हुआ है।

महेंद्र मलिक का सोनीपत रोड स्थित स्कूल परिसर में ही आवास है। शनिवार शाम 7.21 बजे वे अपने घर पर थे और उनकी कार भी वहीं खड़ी थी। इसी दौरान उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि उनकी कार का टोल टैक्स यमुनानगर में जगाधरी के पास मिल्कमाजरा टोल प्लाजा पर कट गया है। यह टोल प्लाजा एनएच-344 पर स्थित है। मलिक की कार का नंबर एचआर-15ए-0001 है। उनका कहना है कि जब कार गोहाना में उनके घर पर खड़ी थी तो यमुनानगर में उसी नंबर का टोल कैसे कट गया। उन्हें आशंका है कि किसी अन्य कार पर उनकी गाड़ी का नंबर लगाया गया है और उसी से टोल पार किया जा रहा है।

महेंद्र मलिक के अनुसार, चार-पांच माह पहले भी उनकी कार का टोल इसी

तरह कट चुका है। उस समय भी कार उनके पास ही थी। दोबारा ऐसी घटना होने पर उन्होंने टोल से जुड़े सहायता नंबरों पर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कार घर पर खड़ी होने के बावजूद दूसरे स्थान पर टोल कटने से नंबर प्लेट के गलत इस्तेमाल की आशंका व्यक्त की। मलिक ने जांच कर वाहन का पता लगाने और उनके वाहन नंबर के दुरुपयोग को रोकने की मांग की।

तेज वर्षा से गोहाना शहर की सड़कों पर जलभराव

अंजू देवी, सोनीपत/गोहाना। रविवार सुबह हुई तेज वर्षा से गोहाना शहर की सड़कों पर जलभराव हो गया। शहर की अधिकतर प्रमुख सड़कें पानी से लबालब हो गईं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया गया कि कई जगह सड़कें तालाब जैसी नजर आईं और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर किए जा रहे दावों की पोल खुल गई। कुछ स्थानों पर पानी में वाहन बंद हो गए, जिसके बाद लोगों को धक्का लगाकर उन्हें निकालना पड़ा। रविवार सुबह करीब 4 बजे वर्षा की शुरुआत हुई। दिन निकलने के बाद वर्षा तेज हो गई।

नोट: पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं, सम्पादक का इनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है। आप स्वयं जांच करें। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादक: सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादक: राजवीर सिंह, (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)